CC0.In Public Domain. Digitized by Sarayu Trust/eGangotri

॥ॐनमोनेकांतधास्ने जिनाय॥ अथ छंदशतक भा
षा वृंदावनकृत लिख्यते। प्रथम मंगलाचरन दोहा छंद॥ वं
दौं श्रीसरवज्ञपद निरावरन निरदोष। विघनहरन मंगलक
रन वांछित तीर्थ सुख पोष १ सिद्ध [illegible] सिद्ध प्रद बंदौं
सिद्ध महेश। छंदसुघटरचना रचौं मरोमकलकलेश २ छं
दसमुद्र सपिंगलिपे मतिभाजनमितकाड [illegible] संछे
पफल बाल ष्याल अवगाढ [illegible] निकोकु [illegible] लेषत
वहै [illegible] विस्तार तातें कछु प्रसार लिषि [illegible] षोडश सुष
कार [illegible] लघु की रेषा सरल है गुरु की रेषा वंक। इहिक्रमसों
[illegible] पंखिपं छियोछंदनिशंक ५ [illegible] सुकवि नि
[illegible] महं लघु कों गुरु [illegible] हि देत। गुरु हू कों लघु कहत हैं। स
मुझत सुकवि सुचेत [illegible] अथ आठों गनस्वा [illegible] छंद नामे
है दोहा। तीन वरन को एक गन लघु गुरु तें बसु भेद। ता सुन
मलछ नखतनो स्वामी सुफल अभेद ७ छंद सवैया मा [illegible]
मगन तिगुरु [illegible] छल हाव ननगन तिल घु सुर सुभ
[illegible] है। भगन आदि गुरु [illegible] सुजस लघु आदि यगन ज
ल वृद्धि करै। रगन मध्य लघु अगिनि मस गुरु मध्य ज
गन रवि रोग निकेत। मगन अंत गुरु बाउ भ्रम तगन अंतल
घु नभ स्व फल [illegible] ॥ दोहा॥ मगन नगन भगन यग
न सुभ कहियत है येह। रगन जगन सगन तगन अशुभ
हवत लेह। [illegible] नु जो कवि [illegible] रस में [illegible] दिये तहां विचार
दे प्रबंध [illegible] को [illegible] गा ९। १० सागनिर वि
गर कवि [illegible] न हि विलषाय। आये शरन जि
निंद के। [illegible] हाय ११ सुधासिंधु महगरल
कन मिलत अमी [illegible] विचारि गुरु ग्रंथ में गहं
न करी गन भ्रात १२ गहं [illegible] प्र लिग्या छंद कवि करि गुरु वर
नें भनाम। अरथ सहित सब छंद को परै अंत में नाम १३

Ganesh Varni Digambar Jain Institute, Naria, Varanasi

CC0 In Public Domain. Digitized by Sarayu Trust/eGangotri

Ganesh Varni Digambar Jain Institute, Naria, Varanasi

CC0 In Public Domain. Digitized by Sarayu Trust/eGangotri

[illegible] हरी [illegible] जिनगराज [illegible] है जिनही
[illegible] नामिरस्यो [illegible] ॥जगत [illegible] हाम
[illegible] ॥ऽ॥ [illegible] जिनेसु को [illegible] मं
[illegible] जे [illegible] बन जं तिलक [illegible] प्रभु [illegible]
[illegible] मनीज [illegible] मोतियस [illegible]
८॥इति [illegible] छंद [illegible] ॥
तामे एक बरन के छंद के प्रारंभ [illegible] छंद वर्ण
१ अ प्र० ॥ [illegible] १ म [illegible] छंद [illegible] जिनं
धुन सधु मधु २ महीछंद वर्ण [illegible] ॥ऽ० [illegible]
[illegible] मही ३ मदर छंद वर्ण० [illegible]
[illegible] ॥ हरि छंद वर्ण० [illegible] प्र० ॥॥ [illegible]
[illegible] हरिहर ५॥ [illegible] छंद वर्ण० [illegible] प्र० [illegible]
[illegible] भर्म [illegible] भर्म [illegible] ६॥ राम छंद वर्ण ७ [illegible]
[illegible] सुष पास [illegible] आम [illegible] रा [illegible]
[illegible] ॥ऽ॥ [illegible] नायक गुन [illegible]
[illegible] जिननायक [illegible] ॥ [illegible] छंद वर्ण० [illegible] प्र० ॥॥ऽऽ
[illegible] रम [illegible] सा जग [illegible] परसंसा [illegible]
[illegible] ॥ [illegible] छंद वर्ण० [illegible] प्र० नारीन [illegible] नैन
[illegible] १० [illegible]
[illegible] ॥ऽऽ [illegible] प्रहे
[illegible] हम [illegible] करों [illegible]
[illegible] वर्ण [illegible] नैनकी
[illegible] हाधरा
[illegible] ० ८ प्र० ॥ऽऽ।ऽऽ० प्रता
[illegible] थार [illegible] देका [illegible] प्र
नका [illegible] प्रमानिकामचा १३ [illegible] छंद वर्ण० ८ ऽऽ
ऽऽऽ [illegible] जेभी जोगी वर्षाकाले आपाधावै [illegible] धारालै कू
केके वाम घं हूल बौधा नबै विद्युन्माला १४ श्लोक छंद

Ganesh Varni Digambar Jain Institute, Naria, Varanasi

CC-0. In Public Domain. Digitized by Sarayu Trust/eGangotri

आठगनन्निके छंद जे [illegible] के गमगुननै [illegible]
गरमिलाए हे जिनभाग पानयामै [illegible]
सरिसजितवाने सुखकेद ला [illegible]
पदलभविहद्द ४ [illegible] इति [illegible] वचन [illegible] गणगणन
लिवर्ण छंद आठलिखै नगगनगनतैतीरलनपनछं
दवर्ण व [illegible] तवैलपुवमासयाभात ऽऽऽऽऽऽऽऽऽऽऽऽऽ।०
जथा [illegible] मुनिदरशत भगवतअुगिऊरसरथ
तानुतिथुनीक [illegible] दरचत तरलभवेनजलवरषत
[illegible] रभगनतैनार [illegible] वर्ण ४ प्र० ऽ।।ऽ।।ऽ।।ऽ।।० भ
[illegible] रपसरय [illegible] दरशनतानेत्रतौलपभावत सो
[illegible] रकों स्वर्ग फलमोरह है फलमोदक।
[illegible] नतें भुजंगप्रयातछंदवर्ण [illegible] प्र० ऽऽ।ऽऽ।ऽऽ।
[illegible] कोक है सबै वातौ [illegible] वारु यहो भ [illegible]
कौव [illegible] सयौंकाम तौ मीरहातो नहातेके
भुजंगप्रयातो पांच मगन [illegible] रगीत आचिचाछंदव
१५ प्र० ऽऽऽऽऽऽऽऽऽऽऽऽऽऽऽ० पांचौहासोना [illegible]
तामे मगना मोचाहै [illegible] रेसो हैता सासांचा
है आ [illegible] जहांकोहै रंगी सोरवि वे
आपा [illegible] जगन लैमैना वली
छंदवर्ण [illegible] चारो नरे वे जिते
देवके भै [illegible] रश्रीचतसी सचामेगरि
वेकी यहीजा [illegible] नोमुजेनारि है देव
५ रगन तैलक्ष्मी प.रा.छ [illegible] प्र० ऽ।ऽऽ।ऽऽ।ऽऽ।ऽ।०
जगामे [illegible] जोचारपा [illegible] रगनसंचारजाकेनहो
वेषरा सोजि [illegible] सनिल बसो भामरा वाह्यआम्र
तरे छंदलक्ष्मी धरा ६ सगन तै तोटकछंदवर्ण १२
प्र० ।।ऽ।।ऽ।।ऽ।।ऽ० गनचारसभे रसभाथित ही तजि

Ganesh Varni Digambar Jain Institute, Naria, Varanasi

CC0.In Public Domain. Digitized by Sarayu Trust eGangotri



हौनि [illegible] वरनी दहीं [illegible] खबिमनसे [illegible]
छिपारनी ॥ शार्दूलविक्रीडितछंदवर्णी ५ याका लक्षण
अथ गाथा [illegible] ऽऽऽ।ऽऽ।ऽ।।।ऽऽऽ।ऽऽ [illegible] सो सोजी सत
[illegible] राजती एक मैं शत्रू टरे सो ई आप प्राय [illegible]
करियै होही नवं [illegible] आपी स्वर्ग पवर्ग दे [illegible] जन हारहो
करे प्रीति हे आपी सब [illegible] वारजी [illegible] जिन [illegible] ते नाही
फिरे ६१ आगें गाथा प्रकरणं च कलि [illegible] आगा रलीये
ऐसोहै लघु की एक म [illegible] गुरु [illegible] जानवी० गाहू [illegible]
प्रथम चरण में १२ दूजे १८ तीजे [illegible] सर्व म
जिन धुनि [illegible] अगाध ता को ना [illegible]
[illegible] रतन [illegible] हरा वन ताहि [illegible] गाहू ६२
अथ गाहा छंद मात्रा [illegible] ५७ । १२ । १८ । १२ । १५ ।
[illegible] लीनो जावे गुणा [illegible] को नहीं या [illegible]
[illegible] लीनो तिनय [illegible] वा [illegible] गाहू [illegible]
[illegible] ६० [illegible] १२ । १८ । १२ । १८ । [illegible]
[illegible] सम [illegible] गा हा [illegible] निके [illegible]
[illegible] गी ६५ षंधो छंद [illegible] सुष
सुग [illegible] है [illegible] सहं [illegible]
[illegible] स [illegible]
[illegible] क [illegible]
[illegible] नाम आप
[illegible]
[illegible] छंद [illegible]
[illegible] हा क [illegible] लये [illegible] है
[illegible] है मो [illegible] ई इव [illegible]
[illegible] वज्रा छंद आ [illegible] हत या उ [illegible]
[illegible] है षरांक आदि मे गुरु को [illegible] म [illegible] सो भी [illegible]
[illegible] दि क को [illegible] पाठो [illegible] महा [illegible] समुद्र वा ठो टा

Ganesh Varni Digambar Jain Institute, Naria, Varanasi

CC0 In Public Domain. Digitized by Sarayu Trust/eGangotri

मकुसंगरा ... जसरुप

नामरछंद ... प्र०ऽ।ऽ।ऽ।ऽ।ऽ।ऽ०छत्रतीन सि

... पुष्प ... तापरं ... भूष ...

... अनूपदेहकी प्रभामहेदेविदेवरंसर ...

... नराचछंद ... प्र०ऽ।ऽ।ऽ।ऽ।ऽ।

नमाम ... सरविंदचावसों। मुनिंदको सु

... संगव ... सों। अपगसातभंगरंगमेपगोप्र

... सों पढ़ी ... नेगभावसों ५५ नयम

छंद ... ऽ।ऽ।ऽ।ऽ।ऽ०जिनवरपदपद्म

... राजसुक मिरुकासे ... नौ हार ...

... सेचौरुह ... चढारे। तिहिफलकरिताकैम

... ५६ ... मरकांताछं ... प्र० ... ऽऽ।।।।ऽऽ

... मातश ...

... मीसमबुध ... मेर ... छंद रवरा ...

... कहीपा ... चिन्हंगमा

... नौरमा ...

वनच ... ऽ।।ऽऽ०

... चि

... णं०

नुभवस ...

निपैछ ... वक रे ...

ऽ।ऽ।ऽ।ऽ।०रसनांगपा ...

पुनिप्र ... हमनमा ... पी ... मे

देषी ५८ ... छंद ... प्र०।।।।।ऽ।ऽ।०समकि

तवत आदिजे ... सकल प्रमितता सुफोगहे ...

नाजिनिंद्रका। तिनकहूपहभवस ... इंद्रका ५९ छंदमोटन

Ganesh Varni Digambar Jain Institute, Naria, Varanasi

CC0.In Public Domain. Digitized by Sarayu Trust eGangotri

दुखित सांवरि लाहनको सुरगिरनहुआवहिमपालगाव
हिरौ चर [illegible]हिसबवनको [illegible] विहरै हुलसहि जो
रको [illegible]हि शिव पुरवास हि बवनको ७५ [illegible]छंद [illegible]
[illegible] रथ [illegible] बमो [illegible]हित त्व [illegible] ई तांही [illegible]
[illegible]सा [illegible] जामे [illegible] ई जाके सुनत [illegible]
मनाहि [illegible] परवो हितहोतवहीसत [illegible] होवे
ता७६॥मत्तच लिप्त तथा एकछंद मात्रा [illegible] जिनव
रको जनम जानिजब रहे चलै है सो [illegible]भतको सेवे [illegible]
ने सम्मल है है ऐरावत परचढे नवै [illegible]ने आवे
अवलिम्ब [illegible] छुब्ब म पुआग [illegible] ७७ [illegible]
त्रा ३२ नहिका [illegible]हिमांहिको धाहैन रहि [illegible]
हिरागी है नाहि हो पी है भहि जामे कौ [illegible] है [illegible]
पसु आपी को न है [illegible] आयेएचा है सब [illegible]
नी [illegible]सो [illegible] है ७ [illegible]लना छंद मात्रा [illegible]
[illegible]मोह के [illegible]भजामे लगे [illegible]क [illegible]सो होवे चाहको
पा[illegible]रजा [illegible] पै है परापुन्न [illegible]पापजे [illegible] कुलावै सातरा
[illegible]पो [illegible]चेचलै [illegible] सो भमतै [illegible]
[illegible] कूद के है हम व पा [illegible] ७
छंद गाहा [illegible] जोगीरास [illegible] मात्रा [illegible] सम
सहि [illegible] निरवाहे [illegible] नवै [illegible]
चरनन्निव [illegible] जेमन्निलोप [illegible]
निवद [illegible] ह [illegible]
पा [illegible] र [illegible]पा [illegible] छंद मा [illegible]
[illegible] अघता पत [illegible] हत करै सो आत
मसता [illegible] अहताप्राय [illegible] पतान [illegible] भरै ८१ सवैयाछं
द मात्रा ३१ बीशअंक परमित गन [illegible] पर पुनि एरवचौ
रहै [illegible] मान उनति सअंक मनुष सवसैनी इराकुल

Ganesh Varni Digambar Jain Institute, Naria, Varanasi

CC-0. Public Domain. Digitized by Sarayu Trust/eGangotri

रज नाथाऊँ ६६ गाहिनीछंद मात्रा [illegible]
[illegible] रसत्वं बलीना निज [illegible] भव [illegible]
[illegible] आगम में ध्यान [illegible] गाहिनी [illegible]
[illegible] संपूर्ण [illegible] आगम [illegible]
[illegible] ॥ नेमिस्वामि [illegible] थल [illegible]
[illegible] समे दो हाथ [illegible] सिर पार ७८ [illegible]
[illegible] ॥ [illegible] गिरनार नेमिस्वा
[illegible] थल [illegible] तन सिर धार बंदौं सोरठ देस मे ७९
[illegible] मिनहू नि कंतार काम जहं [illegible]
[illegible] चषान क [illegible] मान अखिल्ल है करै जगत जन
[illegible] शीलविना नहि [illegible] वढो हि अर्पि
[illegible] रलियाछंद मात्रा १६ ॥ राजे [illegible] कोगो दध
[illegible] रत्नआव [illegible] रायपर [illegible]
[illegible] नकरा [illegible] निधि [illegible] पगायगुन [illegible]
वाजे [illegible] बिराजे त्रिभुवन भूषण
देव तिन्हें भूषन सब [illegible] आनद दृत्ति [illegible]
[illegible] सहा परमात्रा [illegible]
[illegible] निन [illegible] पनि [illegible]
[illegible] निसुनि सु
[illegible] मुनि [illegible] तन मन [illegible]
[illegible] लके [illegible] सुम
[illegible]
[illegible]
[illegible] मन सधुनि [illegible] ह [illegible] नितनमन सु [illegible]
जनमा [illegible] वसे [illegible] हि [illegible]
सुर तरु [illegible] नधरनि लु [illegible] हिं दिवते दे [illegible]
ल्यावहिं [illegible] लावहि मन हर [illegible] मि
आवहिं वाहन की बहु भगत [illegible] हि सुष [illegible] हि

Ganesh Varni Digambar Jain Institute, Naria, Varanasi

CC-0.In Public Domain. Digitized by Sarayu Trust/eGangotri

१ सम्यक्त पान करि हरषाव आतमी कुसुभाव निजगुन
रूपमाले भाव २४ सुगीतछंद रूपमाला के आदि मै एक
गुरु दियै सो होहै मात्रा २५ करै जघे विस्तार सौं वि
[illegible] अमनीत धरै सबों प्रति कोरि कोटिकजो
प्रमसहीत रटै [illegible] विशालजो हं [illegible] पनि है मी
त [illegible] वहकहि [illegible] जिनरै चतुअ जसु गीत २५
गीताछंद मात्रा २६ भवि जीव हो संसार है दुःख [illegible] जन छंद
रियाव तसु पार उतरन कोय ही है एक सुगम [illegible] गुरु
भक्ति कोम साह करु निज रूप सो लब [illegible] जिनराज
गुनहं रंगी ता [illegible] ही मीवानाव २६ छंद रस गीता मात्रा २७
आनंदकोगार राजऊ मरधारि हरष सही नदै सि
अभिषेशं कीनी जो सुनातन रीत है शची चौसि गारसो
बिक हिन [illegible] प्रनी है भरी दं शो [illegible] कामिनी सु
गांवती सुभगीत है २७ ॥ हरिगीतिछंद मात्रा २८ गरभ
रस मै जिनेस रमात पर भय श्री तिहै सुर कन्यका स
करै जिन [illegible] जिन [illegible] तिहैं [illegible] है सुषह रसो रै
करहि सकल विनाति है करता [illegible] रंग लै गावैम
नोहर गाति है २८ सुगीतिका छंद मात्रा २८ सगना रिसमेरौ
है चरनमें हरष भेश [illegible] छाह पर [illegible] होत
नलव पाव ही भरी [illegible] चंद्र [illegible] आ
व ही जह होत मंगल [illegible] पाव
मन होत व [illegible] जसु सुनत [illegible] मान गु [illegible] विगा वहीं
२९ महूगीता मात्रा २८ प्रा ऽऽऽ।ऽ [illegible] ।ऽऽऽ सुनो ससा
रमै आके जिनो ने काम जीता है [illegible] मिथ्यात को छो [illegible] ग
रु वानी अघा ताहै वहा है [illegible] हे [illegible] वमारै काम कीता
है प्रभु के भक्त मे भीने जो गावै शुद्ध गीता है २९ इति गीता
प्रकाश सप्तक समाप्तं आगे वरन सवैया सप्तक लिष्य

Ganesh Varni Digambar Jain Institute, Naria, Varanasi

CC0.In Public Domain. Digitized by Sarayu Trust/eGangotri

कोरुकोरुछह रान. सोरसों कुरु छिंयालि [illegible] ओं कं
रु रोम पैंतालि समान. अंक सवै या बिपि सौं लिष
[illegible] बो ह षो [illegible] सया ॥ ८२ चौपोल छंद मात्रा ॥ ३०॥
[illegible] सुनत [illegible] मन भवि जन उदित होत [illegible] त
लहै हेय ज्ञेय अरु उपादेय पहिचानै [illegible]
[illegible] सकल तप त्वी को पावै [illegible] रोष मद मोह [illegible]
हैं ऐसो [illegible] मित रोष रहित [illegible] निर्धर [illegible] बो
लेके है [illegible] जगनव [illegible] मात्रा ३२ जो सात [illegible]
[illegible] अंग अभंगी [illegible] ताके अन
[illegible] विचारे [illegible] हि वारे [illegible] रंगा [illegible]
[illegible] पाधे मन [illegible] गी [illegible] रि
[illegible] हो त [illegible] रंगी शिव संगी ॥ ८७ छप्पै
[illegible] नाम है मात्रा सर्व १५२ जा [illegible] विरछ [illegible]
[illegible] पावत. सुर [illegible] विस्मित होत तनै
[illegible] सह [illegible] नावत. जास [illegible] ल्यान जगत कं
ह [illegible] पजा [illegible] ल अनंत [illegible] हत को उपार
न पावत. सत [illegible] जिसे. सेवत है मान [illegible]
द धर. सो [illegible] जं सो. भो मन [illegible]
[illegible] कर पुन: ८८ जो जग मंग [illegible] मा जा सो
[illegible] को धा [illegible] हि लं [illegible] वर चं
[illegible] सबजन नाही के
[illegible] जब [illegible] नि ताम नि सुर
[illegible] भा [illegible] र. मो श्री जिन वरन
सर जसि. भोम [illegible] पर प्रीति कर [illegible] मात्रा
होतै छंद समाप्ति [illegible] णी सहा लिखते ॥
[illegible] माला छंद आदि [illegible] गन. अंत मेल घु. मात्रा २७
पायके नर जन्म [illegible] नी [illegible] मति हि गया [illegible]
त भावे तहो मति फि रन [illegible] सो राव. जैन [illegible]

Ganesh Varni Digambar Jain Institute, Naria, Varanasi

CC0. In Public Domain. Digitized by Sarayu Trust eGangotri

शिलापर [illegible] निन [illegible] धवी है सु र
विषे मल [illegible] सु [illegible] ओलरा [illegible] गा धवी [illegible]
षरीकरजोरजहां चित [illegible] सलधवी है जिं
[illegible] समोश्रन साजत हाइम राजनिराजति माधवी है
॥ ९९ पुनःपाठांतर माधवी लु कवने रीह रगुरहै वर्ण २७ अज
था ॥ जहां हास शजो जिनगो शिलापर ठाढे [illegible] निरवाधवी
है उपमाविहि लोक विषे नहुसे मन्हि माजे [illegible] अगा
धवी है निधिहार घरी करजोरजहां चित चिंतितदेत सुसा
धवी है जिनराज समोश्रन साजत हाइम राजनिराजति
श्रीधवी है १०० इति वर्ण सवैया समकसमाप्तं ॥ आगें इंद्रक
प्रकीर्ण लिषे है इंद्रक छंद मात्रा ३२ सीता अहारकी नोन
यार तत्र राम हार पेषै उदार नाहीसु मारदोस तिन प्रभू
र है तपागार आकाश आचार बलिहू षे धार ज्ञान कीनार र
ज प्रचार आठें प्रकार भरिभक भारदीनो आहार कंतार
चार इंद्रकमकार १०१ अशोक पुष्प मंजरी छंद वर्ण ३१ प्रस्ता
र ऽ।ऽ।ऽ।ऽ।ऽ।ऽ।ऽ।ऽ।ऽ।ऽ।ऽ।ऽ।ऽ।ऽ।ऽ।० केवली जिने
श की प्रभावना अचिंत मिंत के जु पै रुहैं सु अंतरिक्ष पार कं
जरी मुष औ विशाल मोरयाल वै [illegible] डालडाल [illegible] है सुमी
त है निचीत भीतमंजरी अंगहीन अंग पाय हर्ष सो कहान
जाय नैनहीन नैन पाय मंजु कंजु षंजरी और मातिहार्य
की कथा कहा कहै सुहंद शोक थोक कोहरै अशोकपुष्पमं
जरी १०२ अनंगशेषर इंद्रक छंद वर्ण ३२ ऽ।ऽ।ऽ।ऽ।ऽ।ऽ।
ऽ।ऽ।ऽ।ऽ।ऽ।ऽ।ऽ।ऽ।० जिनिंद्रके मुषारविंद सों षिरे त्रिका
ल शब्द अब्द सी अनंत्र री अनिच्छ आप रे रहे नवो न्हो
महाल ईन षेद स्वेद चार [illegible] अछे कवी असेष पोष सोख
[illegible] समस्त जीव रूप आप रूप हू को स्वरूप [illegible] अध्यात
मोहभाव भव्य जीव सो रहे [illegible] सो जिनेंद्रचंद की सभा

Ganesh Varni Digambar Jain Institute, Naria, Varanasi

CC0 In Public Domain. Digitized by Sarayu Trust eGangotri

[illegible]वर्ण॰ २१ प्रस्तार [illegible]।ऽ।।ऽ।।ऽ।।ऽ०
[illegible]नीलभ[illegible]गिपुन्नलु[illegible]थपगि तिहुरे
[illegible]षचुरासिख[illegible]जैन[illegible] भोगतै तिहि सगनर[illegible]
जिनवैनगहेनक[illegible]मनमोलाके लागुनगोयगरे [illegible]प
सरूपजानिसकैजु[illegible]भरितामरमोहमरै २४ मत्तग
यंदवर्ण॰ २३ प्रस्तार ऽ।ऽ।ऽ।ऽ।ऽ।ऽ।ऽ।ऽऽ० जनमउ[illegible]निवाह
नियोगवि[illegible]हियहारिहर्षितहोहै आवत[illegible]समाजस
जेवहआस रेषतहो मनमोहै जायसचीजननीछिगनै
प्रभुलैकरसौंपतिहैपतिकोहै इंद्रजिनिंद्रकोगोदधरै
चढेमत्तमयंदइरावतसोहै २५ दुमिलाछंदवर्ण॰ २४ प्र
।।ऽ।।ऽ।।ऽ।।ऽ।।ऽ।।ऽ।।ऽ।।ऽ० अपनोविरदावलिपालनको
वसुकंठकाटिवहावहिंगे करुनानिधिवाननिबाहनको
कछुलाजहियेमहलावहिंगे शरनागतबछलदीनदया
यालतवीप्रभुजीकहलावहिंगे मतिसोचकरोभविवृंद
इन्हेंसुखकंदजिनंदमिलावहिंगे २६ भुजंगछंदव
र्ण॰ २० प्र॰ ।ऽऽ।ऽऽ।ऽऽ।ऽऽ।ऽऽ।ऽऽ।ऽऽ।ऽऽ० कभीचेतना
कीनिशानीनजानीमनोंश्रौनवानीनशानीदशाहै त
थाजैनधानीविजानीनहीजोमुनीभेदसानीकसीदी
कसाहै चहैकामभोगीमनोगीविषैभोगभोगीविषै
विष्पहीमेधसी जितेजक्तकेजीवरासीनिवासीतिन्हें
मोहआसीभुजंगैजसाहै २७ किरिटछंदवर्ण॰ २४ —०
।ऽ।।ऽ।।ऽ।।ऽ।।ऽ।।ऽ।।ऽ।।ऽ।। गर्भकुटीमुतश्रीजिनकीमहिमा
कहिवेकहमोमनलाजत होतअनूपमरंगतहाजवइं
द्रनमेंसिरनायसभाजत इंद्रनिकेदुतिश्रीपतिकेपदकं
जनखावलिमेंछविछाजत श्रीपतिकेसवकीदुतसंजुत
इंद्रनि[illegible]सकिरीटविराजत २८ माधवीछंदवर्ण॰ [illegible] प्र
स्तार ।।ऽ।।ऽ।।ऽ।।ऽ।।ऽ।।ऽ।।ऽ।।ऽऽ० जहहरिशंजोजनगोल

Ganesh Varni Digambar Jain Institute, Naria, Varanasi

CC-0. In Public Domain. Digitized by eGangotri

[illegible] दकुं सुउ लिनाक पावड़ी ०७ ॥ दूतिम [illegible]

दमै प्रथम [illegible] लिय पवस [illegible] का प्रस्तार० ऽ [illegible] ऽ० दुतिय

चतुर्थ नं प्र [illegible] ऽ।ऽ। [illegible] कहा विभु श [illegible] ० जकुरा

लबि कुदि परजन पाई नाथ लियो गंद [illegible] फ [illegible]

रभयेदुतिमग्प कलिंहे ॥ वसंततिल [illegible]

ऽऽ।ऽ।।।ऽ।।ऽ।ऽऽ० श्री इराज जन [illegible] र

सभी भेय को [illegible] तु राज ठानी की नी [illegible] नन सोभन [illegible]

नआयो तोभी वपी ततिल [illegible] का मन [illegible] ०६ ॥ छंद ॥ च [illegible]

[illegible] २७ प्र० ऽ।।।।।।।।।।।।।ऽ० श्री जि [illegible] स [illegible]

पाप श्रमितेंबित नविमस्व भरही आपा [illegible] कुमं २७ ॥ तोमर [illegible] वर्ण ८ प्र० [illegible]

[illegible] हो अकधरम नवशच प्रभ पर [illegible] नेमं कथ हूं सागो [illegible] प सम हून

[illegible] ल पु [illegible] ०।।।।।।।।।।।।।।। [illegible] मन [illegible] २८ ॥ पुनः जिनका प्रभ तो नेह

[illegible] सुख राम सतन धरत [illegible] कनहाह [illegible] कोर पवाद नहि साग तोम

[illegible] रमं र [illegible] ऽऽऽऽ।।।ऽ।ऽ० जै जो जाने निज

र [illegible] सार [illegible] पना जेय [illegible] तो कुम [illegible] वि

[illegible] नेकाज [illegible] नहो [illegible] तां २८ ॥ छंद सारवती व [illegible]

[illegible] ऽ।।ऽ।।ऽ० जो [illegible] पासत मोह हपरे अंतरका पटसो

[illegible] सार वृद्धी सम्पुत्त सेरयु सारवती [illegible]

[illegible] ऽऽ।।ऽऽ।ऽ० वाम [illegible] चसोयारे कार

[illegible] रिये [illegible] मिपं

[illegible] ल हियु २० ॥ तोमर [illegible]

[illegible] राम [illegible] बेल [illegible] [illegible] ता हूं मा [illegible]

[illegible] तिनदु [illegible] प्र० ऽऽ।ऽ [illegible] ० श्री [illegible] विस [illegible]

[illegible] मह बि [illegible] पीनं [illegible] न को [illegible]

नतेनिक दिह यो गंद्र वशरा [illegible] बिलो फबंदित [illegible]

ताछंद वर्ण १२ प्र० ऽऽ।ऽऽ।ऽ।ऽ।ऽ० नेमी [illegible] दिया [illegible] रै

ही आपा चिदानंद लखै वभी नवी [illegible] कसुने अ [illegible] आरा [illegible]

Ganesh Varni Digambar Jain Institute, Naria, Varanasi.

CC0 In Public Domain. Digitized by Sarayu Trust eGangotri

...हे सैवर्ण...

...यों के नाम... हौं...

आपही को रख्यो... वर्ण०१२ प्र०॥ऽ।ऽ।।ऽ०...

...नेगहा... हजन जानो... जि...

...सुमवि चित्रो प्रमर्दितला है ३६॥ इंच

...ऽ।।ऽ।।।८० सहवी सस्तु छत्र वरन

है... नहै होय प्रवरि... एक पर

है... ये है वरी... यह वर्है ३७ प्रमेव शार्दूल वर्ण०१२

...।।ऽ।।।ऽ।ऽ... हेतु है सदा धरम...

...गा... रन... लोक में कहा म...

...अनुकूला... वरी ३८ प्रमिताक्षरा वर्ण०१२ प्र०॥ऽ।ऽ।।।ऽ

...न... सामु... वर्ण०१० ... पाय पहै कवित्त दि ग्रंथ पर...

रीस मुरित हलो जांपर है... लौकि... प्रमित

छंद वर्ण०१ प्र०॥।ऽ।।ऽ।... छंद वर्ण०१२ प्र०॥।ऽ।...

षा अनुभव... वा... नम्र...

षी तिन कहत... विस सुम... पदम... सेह राग...

...ऽ।।ऽ।।ऽ० चिदा... चिनेय... ऽ।ऽ... वर्ण०...

नकी पछिनी सुवो पसुषी मत्तकी... हिमाव...

सो हरिनी ४१॥ भुजंगी छंद वर्ण०१२ प्र०...

जिसे ब्रसवा... ही... सि जैन म...

...मिनी...

...वर्ण०१२ प्र०...।।।।

...ललि... ज

...मात्रा०५७... ०११८... जि...

...र पेहरह... हा... सिंधु मर...

...लिया... हा ४३ सिंहिनी छंद मात्रा०६२ बौ

...१८ समवर्सा रनम हरे षो जंन्ह जाती विरो

...की... लैम्मर भैत... कथमलेषो हरिनी कोवालं

Ganesh Varni Digambar Jain Institute, Naria, Varanasi